



Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत विधि ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत विधि ॥

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का व्रत भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में श्रद्धा और भक्ति से रखा जाता है। भक्त दिनभर उपवास रखते हैं और रात्रि में श्रीकृष्ण के जन्म समय मध्यरात्रि में पूजा-अर्चना करके व्रत का समापन करते हैं।

व्रत का संकल्प

प्रातः स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें। पूजा स्थान को साफ करके भगवान श्रीकृष्ण के सामने दीपक जलाएँ और हाथ में जल, अक्षत तथा पुष्प लेकर व्रत का संकल्प करें।

संकल्पः

“ॐ नमो भगवते वासुदेवाय। मैं श्रद्धापूर्वक भगवान श्रीकृष्ण के जन्माष्टमी व्रत का संकल्प करता/करती हूँ। हे प्रभु! मुझे यह व्रत पूर्ण करने की शक्ति एवं भक्ति प्रदान करें।”

दिनभर व्रत रखें

सामर्थ्य के अनुसार निर्जल या फलाहार व्रत रखा जा सकता है। फलाहार में फल, दूध, दही, मखाने, सिंघाड़े का आटा आदि सात्विक पदार्थ लिए जा सकते हैं। अपनी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार व्रत का स्वरूप रखें।

पूजा की तैयारी

संध्या के समय पूजा स्थान को फूलों और दीपों से सजाएँ। बाल गोपाल के लिए सुंदर झूला तैयार करें। पूजा में भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा या बाल गोपाल को स्थापित करें।

पूजा सामग्री:

बाल गोपाल की प्रतिमा

पंचामृत

गंगाजल

पीले वस्त्र

चंदन और अक्षत

तुलसी दल

फूल एवं माला

धूप और दीप

माखन-मिश्री

फल एवं मिठाई

झूला

मध्यरात्रि में श्रीकृष्ण जन्म पूजा

रात्रि में श्रीकृष्ण के जन्म समय के आसपास पूजा प्रारंभ करें। सबसे पहले भगवान का पंचामृत एवं गंगाजल से अभिषेक करें। इसके बाद उन्हें नए वस्त्र पहनाएँ, चंदन, अक्षत, फूल और तुलसी दल अर्पित करें। भगवान को माखन-मिश्री, फल और अन्य सात्विक प्रसाद का भोग लगाएँ।

मंत्र जाप और आरती

पूजा के दौरान श्रद्धापूर्वक मंत्र जाप करें:

“ॐ नमो भगवते वासुदेवाय।”

इसके बाद श्रीकृष्ण जन्म की खुशी में आरती करें और भगवान को झूला झुलाएँ। परिवार के साथ “नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की” जैसे भजन गाए जा सकते हैं।

व्रत का पारण

व्रत का पारण स्थानीय पंचांग में दिए गए पारण समय और व्रत की परंपरा के अनुसार करें। सामान्यतः जन्माष्टमी पूजा के बाद अगले दिन पारण किया जाता है। पारण से पहले भगवान श्रीकृष्ण को भोग अर्पित करके प्रसाद ग्रहण करें।

